ॐ

पवित्रीकरण मन्त्र⇒

ॐ अपवित्रो पवित्रो वा सर्वावस्थां
गतोऽपि वा यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स
बाह्याभ्यान्तरः शुचिः।

आचमन।

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा।
ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।
ॐ सत्यं यशः श्रीर्मयि श्रीः श्रयतां स्वाहा।
ॐ नारायणाय नमः। (हस्त प्रक्षालनं)

प्राणायाम⇒

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः
ॐ तपः ॐ सत्यम्। ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।
ॐ आपो ज्योतिरसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः

आसन शुद्धि

ॐ पृथ्वि त्वया धृता लोका देवि
त्वं विष्णुना धृता त्वं च धारय
मां देवि पवित्रं कुरु चासनम्।

Scanned by CamScanner

ॐ ममोपात्त समस्त दुरितक्षयद्वारा श्री दुर्गा
प्रीत्यर्थं यथा शक्ति दुर्गा पाठन्यास करिष्ये

संकल्प

मन्त्र

कान्ति लक्ष्मी धृतिं सौख्यं सौभाग्य मतुलं
मम। ददातु चंदने नित्यं सतत
धारयाम्यहम।

दीप पूजन (दाईं ओर)

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्नि स्वाहा

गणेश पूजन:

ॐ गणानां त्वा गणपतिꣳ हवामहे
प्रियाणां त्वा प्रियपतिꣳ हवामहे निधीनां
त्वा निधिपतिꣳ हवामहे वसो मम।
आहमजानि गर्भधमा त्वमजासि गर्भधम्।
ॐ गं गणपतये नमः ध्यायामि सिद्धये

कलश पूजन

ब्रह्म पूजन

ब्रह्म मुरारि स्त्रिपुरान्तकारी भानु: शशी
भूमिसुतो बुधश्च गुरुश्च शुक्र: शनि
राहु केतव: सर्वे ग्रहा शांतिकरा भवंतु

Scanned by CamScanner

षोडश मातृका पूजन ⇒

गौरी पद्मा शची मेधा सावित्री विजया जया।
देवसेना स्वधा स्वाहा मातरो लोकमातर
धृतिः पुष्टि तथा तुष्टिरात्मनः कुलदेवता
गणेशेनाधिका ह्येता वृद्धा पूज्याश्च षोडश।
ॐ श्री षोडशमातृकाभ्यो नमः
आवाहयामि स्थापयामि पूजयामि।

सप्तमातृका पूजन

श्री लक्ष्मी धृति मेधा सिद्धे प्रज्ञा सरस्वती
माङ्गल्ये पूज्या च सप्तैता दिव्य मातरः।
श्री सप्तमातृकाभ्यो नमः।
आवाहयामि स्थापयामि पूजयामि।

योगिनी पूजन

ॐ महायोगिन्यै नमः
ॐ योगेश्वर्यै नमः
ॐ योगाय नमः
ॐ [illegible] नमः
ॐ विशालाक्ष्यै नमः

Scanned by CamScanner

ॐ डाकिन्यै नमः। ॐ कालरात्र्यै नमः।
ॐ निशाचर्यै नमः। ॐ कंकालत्यै नमः।
ॐ रौद्रवेतालयै नमः। ॐ ईंकारायै नमः।
ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः। ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
ॐ शुष्कांग्यै नमः। ॐ नरभोजिन्यै नमः।
ॐ फट्कारायै नमः। ॐ वीरभद्रायै नमः।
ॐ धूम्राक्ष्यै नमः। ॐ कलहप्रियायै नमः।
ॐ रक्तदन्तायै नमः। ॐ राक्षस्यै नमः।
ॐ घोरायै नमः। ॐ विश्वरूपायै नमः।
ॐ भयङ्कर्यै नमः। ॐ कामाक्ष्यै नमः।
ॐ उग्रचामुण्डायै नमः। ॐ भीषणाय नमः।
ॐ त्रिपुरान्तकायै नमः। ॐ वीरकौमारिकायै नमः।
ॐ चण्डयै नमः। ॐ वाराह्यै नमः।
मुण्डधारिण्यै नमः। ॐ भैरव्यै नमः।
ॐ हस्तिन्यै नमः। ॐ क्रोधदुर्मद्यै नमः।
ॐ प्रेतवाहिन्यै नमः। ॐ खट्वांग
ॐ मालयै नमः। ॐ मन्त्रयोगिन्यै नमः।
ॐ अस्थिन्यै नमः। ॐ चक्रिण्यै
ॐ ग्राह्यायै नमः। ॐ भुवनेश्वर्यै

ॐ कारक्यै नमः। ॐ शुभ्रायै नमः।
ॐ क्रियायै नमः

ॐ कण्टक्यै नमः। ॐ दूत्यै नमः
ॐ करालिन्यै नमः। ॐ रंखिन्यै नमः
ॐ पद्मिन्यै नमः। ॐ क्रीडायै नमः
ॐ असन्ध्यायै नमः। ॐ प्रहारिण्यै नमः।
ॐ लड्मयै नमः। ॐ कामुक्यै नमः।
ॐ लोलायै नमः। ॐ कालकट्यै नमः।
ॐ अधोमुख्यै नमः। ॐ धूर्जट्यै नमः।
ॐ मालिन्यै नमः। ॐ घोरायै नमः।
ॐ कपालयै नमः। ॐ विषभोजिन्यै नमः।

ॐ चतुष्षष्टियोगिनी भ्यो नमः यज्ञान् अहम्
आवाहयामि स्थापयामि, पूजयामि च।

भैरव पूजन

ॐ यो भूतानामधिपतिर्यस्मिन् लोका
अधिश्रिताः। यऽईशे मह्यते महास्तेन
गृह्णामि त्वामहं मयि गृह्णामि त्वामहम्।
ॐ भं भैरवाय नमः

दुर्गापूजा विधान।

आवाहन

आगच्छ त्वं महादेवि। स्थाने चात्र स्थिरा भव। यावत् पूजां करिष्यामि तावत् त्वं संनिधौ भव।
ॐ जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः।
दुर्गादेवीमावाहयामि।
आवाहनार्थे पुष्पांजलिं समर्पयामि।

~~आसन~~

स्नान

मन्दाकिन्यास्तु यद्वारि सर्वपापहरं शुभम्। तदिदं कल्पितं देवि। स्नानार्थं ~~जलं समर्प~~ प्रतिगृह्यताम।
ॐ जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः।
स्नानार्थं जलं समर्पयामि।

पुष्प

मलयादीनी सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो। मयाऽऽहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम।
ॐ जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः।
पुष्पमालां समर्पयामि

धूप

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।
आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।
श्री जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः। धूपमाघ्रापयामि।

दीप

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि त्रैलोक्यतिमिरापहम्।
श्री जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः।
~~धूपमाघ्रापयामि।~~ दीपं दर्शयामि।

नैवेद्य=

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।
आहारार्थं भक्ष्यभोज्यं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
श्री जगदम्बायै दुर्गादेव्यै नमः। नैवेद्यं
निवेदयामि।

Scanned by CamScanner

4. ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै दुं दुर्गायै नमः।

5. ॐ कामाख्या देव्यै नमः।

6. ॐ ह्रीं श्रीं कोटगाढी देव्यै नमः।

Scanned by CamScanner

ॐ अस्य श्री नवार्णमन्त्रस्य ब्रह्म विष्णु रुद्र ऋषय: गायत्री उष्णिग त्रिष्टुभश्छन्दांसि श्री महाकाली महालक्ष्मी महासरस्वत्य: देवता:
रक्तदन्तिका दुर्गा भ्रामयो बीजम्।
नंदना शाकम्भरी भीमा: शक्तय:।
ह्रौं कीलकम्।
अग्निवायु सूर्यस्तत्वानि।
श्री महाकाली महालक्ष्मी महासरस्वती प्रीत्यर्थे जपे विनियोग।

ब्रह्म विष्णु रुद्र ऋषिभ्यो नम: शिरसी।
गायत्र्य उष्णिग त्रिष्टुभछन्दोभ्यो नम: मुखे
श्री महाकाली महालक्ष्मी महासरस्वती देवताभ्यो नम: हृदि। ऐं बीजाय नम: गुह्ये ह्रीं शक्तयो नम: पादयो। क्लीं कीलकाय नम: नाभौ।

ॐ ऐं अगुंष्टाभ्यां नम:।
ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नम:।
ॐ क्लीं मध्यमाभ्यां नम:।

Scanned by CamScanner

ॐ चामुण्डायै अनामिकाभ्यां नमः।
ॐ विच्चैः कनिष्ठिकाभ्यां नमः।
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै
करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

ॐ ऐं हृदाय नमः। ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा।
ॐ क्लीं शिखायै वषट्।
ॐ चामुण्डायै कवचाय हुम्।
ॐ विच्चे नेत्राय वौषट।
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै
अस्त्राय फट्।

ॐ ऐं नमः शिखायाम्। ॐ ह्रीं नमः
दक्षिणनेत्रे। ॐ क्लीं नमः वामनेत्रे।
ॐ चां नमः दक्षिणकर्णे। ॐ मुं नमः
वामकर्णे। ॐ डां नमः दक्षिणनासापुटे।
ॐ यै नमः वामनासापुटे।
ॐ विं नमः मुखे। ॐ च्चै नमः गुह्ये।

Scanned by CamScanner

ॐ ऐं प्राच्यै नमः।
ॐ ऐं आग्नेयै नमः।
ॐ ह्रीं दक्षिणायै नमः।
ॐ ह्रीं नैर्ऋत्यै नमः।
ॐ क्लीं प्रतीच्यै नमः।
ॐ क्लीं वायव्यै नमः।
ॐ चामुण्डायै उदीच्यै नमः।
ॐ चामुण्डायै ऐशान्यै नमः।
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ऊर्ध्वायै नमः।
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे भूम्यै नमः।

खड्गं चक्रगदेषुचापपरिघाञ्छूलं भुशुण्डीं शिरः
शंखं संदधतीं करैस्त्रिनयनां सर्वांगभूषावृताम्
नीलाश्मद्युतिमास्यपाददशकां सेवे महाकालिकां
यामस्तौत्स्वपिते हरौ कमलजो हन्तुं मधुं कैटभम्
अष्टभुजा अष्टमुखा अष्टपाद
दण्डं शक्तिमसिं च चर्म जलजं घण्टां सुराभाजनम्
शूलं पाश सुदर्शने च दधतीं दृस्तैः प्रसन्नाननां
सेवे सैरिभमर्दिनीमहं महालक्ष्मीं सरोजस्थिताम्

Scanned by CamScanner

घण्टाशूलहलानि शंखमुसले चक्रं धनुः सायकं
हस्ताब्जैर्दधतीं घनान्तविलसच्छीतांशुतुल्यप्रभाम्
गौरीदेहसमुद्भवां त्रिजगतामाधारभूतां महा
पूर्वामत्र सरस्वतीमनुभजे शुम्भादिदैत्यार्दिनीम्।

। ॐ ऐं ह्रीं अक्षमालिकायै नमः।
ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि
सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय
सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा।

{ मन्त्र }

गुह्यातिगुह्यगोप्त्री त्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसान्महेश्वरी।

Scanned by CamScanner

ॐ अस्य श्री शिवपंचाक्षरी मन्त्रस्य
वामदेव ऋषि पंक्तिश्छंद शिवो देवता
मं बीजम यं शक्तिः वां कीलकं
सदाशिव कृपाप्रसादोपलब्धिपूर्वकमखिल-
-पुरुषार्थ सिद्धये जपे विनियोगः

अंगन्यास ⇒ ॐ ॐ हृदयाय नमः।
ॐ नं शिरसे स्वाहा।
ॐ मं शिखायै वषट्।
ॐ शिं कवचाय हुम्।
ॐ वां नेत्रत्रयाय वौषट्।
ॐ यं अस्त्राय फट्।

ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः।
ॐ नं तर्जनीभ्यां नमः।
ॐ मं मध्यमाभ्यां नमः।
ॐ शिं अनामिकाभ्यां नमः।
ॐ वां कनिष्टिकाभ्यां नमः।
ॐ यं करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

Scanned by CamScanner

सर्वव्यापिनमीशानं रुद्रं वै
विश्वरूपिणीम। एवं ध्यात्वा
द्विजः सम्यक्ततो यजनमारभेत

ॐ वामदेवर्षये नमः शिरसो
पंक्तिश्छन्दः नमः मुखे
शिवदेवतायै नमः हृदये
मं बीजाय नमः गुह्ये
यं शक्तये नमः पादयो
वां कीलकाय नमः नाभौ
विनियोगाय नमः सर्वांगे

[ॐ नमः शिवाय]

ध्यायेत्
शुद्धस्फटिक संकाशं त्रिनेत्रं पञ्चवक्त्रम
गंगाधरं दशभुजं सर्वाभरणभूषितम।
नीलग्रीवं शशांकांकं नागयज्ञोपवीतिनम
व्याघ्रचर्मोत्तरीयञ्च वरेण्यमभयप्रदम
कमण्डलुवरसूत्राभ्यां सव्येतरकरोज्ज्वलम
ज्वलन्तं पिंगलजटामुद्योतकारिणम
अमृतेनाप्लुतं दृष्ट्वा मुमादेहार्धधारिणम।
दिव्यसिंहासनासीनं दिव्यभोगसमन्वितम।
दिग्देवतासमायुक्तं सुरासुरनमस्कृतम।
नित्यञ्चशाश्वतं शुद्धं ध्रुवमक्षरमव्ययम।

Scanned by CamScanner

कलश स्थापना

बाईं ओर कुंकुम से स्वस्तिक बनाकर उस पर कलश।

उसके बाद चौरा और कुंकुम से चार तिलक।

अक्षत, पुष्प, गंगाजल डालें व ऊपर नारियल रख दें।

ॐ त्र्यंबकं यजामहे सुगंधिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव बंधनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्

कृष्ण पक्ष की अष्टमी नवमी, अमावस
शुक्ल पक्ष की पंचमी षष्ठी
शक्ति पूजा

Scanned by CamScanner

विशेष तिथि

- मार्गशीर्ष में आद्रा
- आर्द्रा नक्षत्र, चतुर्दशी
- मृगशिरा का अंतिम तथा पुनर्वसु का आदि भाग
- चतुर्दशी तिथि

Scanned by CamScanner

नमो नमो दुर्गे सुखकरनी।
नमो नमो अम्बे दुख हरनी
निराकार है ज्योति तुम्हारी
तिहूँ लोक फैली उजियारी
शशि ललाट मुख महाविशाला
नेत्र लाल भृकुटि विकराला

Scanned by CamScanner

पवित्रीकरण मंत्र

⇓

आचमन

⇓

प्राणायाम

⇓

आसन पूजन

⇓

संकल्प

⇓

तिलक मंत्र

⇓

दीप पूजन

⇓

गणेश पूजन

⇓

नवग्रह

Scanned by CamScanner

~~जल, दूध, दही~~

→ लाल आसन,
शिव का पंचाक्षरी मन्त्र
आरती करने के बाद
नैवेद्य

→ [पीताम्बर कपड़ा] पीले कपड़े

→ पंचाक्षरी मन्त्र : शिवसहस्रनाम
~~सर्वनिर्वाणंअष्ट~~
रुद्राष्टकम्।

→ रुद्रम चमकम !!
~~या~~ पावमानी मंत्र

→ ~~ॐ~~ →

↳ पारस पत्थर शिवलिंग - काले रंग का

↳ दाएँ हाथ में रखकर,

~~सोमवार~~

↳ ~~पात्र → मनोकामना~~

↳ नई थाली → ~~तांबे~~, पीतल

↳ गणेश पूजा,

अभिषेक

पांच तत्व

→ दूध, दही, शक्कर, शहद, गुलाब जल, ~~पीतल~~ जल

↳ (शिव सहस्त्रनाम भावनी)

हाथ में ले कर धोकर थाली में अक्षत

Scanned by CamScanner